मेहनतकशों का पैग़ाम मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com

Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2020-22 /R.N.I. No. 2022007062

इतिहास के सांप्रदायीकरण के खिलाफ़	2
फीस बढ़ोतरी के खिलाफ मेडिकल छात्रों का संघर्ष	4
मज़दूर लेबर कोड्स का विरोध क्यों कर रहे हैं?	5
'दस दिन जब दुनिया हिल उठी'	6
बेगुनाहों का मोरबी हत्याकांड	8

वर्ष 36 अंक 52 फरीदाबाद 6-12 नवम्बर 2022 फोन-8851091460 ₹ 5.00

एडीजीपी (लॉ एंड आर्डर) ने अपने 45 दलालों की सूची जारी की

रिश्वतखोर पुलिस, झूठे मुकदमे, टार्चर...

क्या अजीब दास्तां है...पुलिस जिन्हें अपना दलाल बता रही है भाजपा उन्हें अपना नेता बता रही है

फ़रीदाबाद (म.मो.) 'रस्सी का सांप और सांप की रस्सी बनाने', वसूली के लिये झूठे मुकदमे दर्ज व टार्चर करने जैसे अनेकों आरोप पुलिस पर आये दिन लग रहे हैं। और तो और रिश्वत के बगैर एफआईआर तक दर्ज नहीं होती, यदि हो भी जाये तो केस को सही अंजाम तक नहीं पहुंचाया जाता। जनता एवं मीडिया द्वारा प्रकाश में लाये जाने वाले ऐसे आरोपों का संज्ञान लेकर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बजाय सरकार द्वारा सदैव दोषियों का बचाव किया जाता है। जाहिर है इससे दोषी अधिकारियों के हौंसले बढते हैं और वे खुल कर जनता का उत्पीड़न करते हैं।

सर्वविदित है कि जनता के बीच में रहने वाली पुलिस अपने इस धंधे को तभी सुचारू रूप से चला सकती है जब उसके पास सूचना देने वाले एवं दलाली करने वाले दल्लों का समुचित नेटवर्क हो। न केवल फरीदाबाद में बल्कि पूरे देश भर में ही पुलिस वाले अपना एक ऐसा ही नेटवर्क बना कर रखते हैं। केवल नाम मात्र के चंद एक पुलिसकर्मी अपराध नियंत्रण के लिये इस नेटवर्क का इस्तेमाल करते हैं बाकी अधिकांश इसका प्रयोग लूट-खसूट व दमन के लिये करते हैं।

केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल के साथ मंच सांझा कर रहे राजपाल उर्फ मामा

राज्य के पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी कराई गई इस सूची में सबसे बड़ा नाम राजपाल उर्फ मामा का है। मामा यानी कि केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गूजर का मामा। गौरतलब है कि राजपाल को दलाल कहना कहीं से भी उचित नहीं है, क्योंकि दलाल तो पुलिस के नाम पर ली गई रिश्वत में से अपनी दलाली काटता है, जबकि राजपाल तो पुलिस अधिकारियों की मलाईदार तैनाती के बदले उन्हें आदेश देकर उल्टे-सीधे काम करा कर वसूली करता है। मंत्री कृष्णपाल जहां खूद कमाई के बड़े-बड़े प्रोजेक्टों में ब्यस्त रहते हैं, वहीं पुलिस महकमे का व्यापार मामा के सुपूर्द कर रखा है। इसके अलावा अन्य महकमे में भी मामा की पूरी पैंठ चलती है।

इसी श्रेणी में कृष्णपाल का एक और भांजा भी इस धंधे में पूर्ण सक्रिय है। दरअसल कृष्णपाल के आशीर्वाद से मामा राजपाल का लूट कारोबार इतना फल-फूल गया कि उन्हें अपने अन्य सगे सम्बन्धियों को इसमें जोड़ना पड़ा। इसी तरह सूची में दिये गये कई नाम स्थानीय नेताओं से जुड़े हैं। लगभग तमाम दलालों के सम्बन्ध किसी न किसी रूप में किसी न किसी राजनेता से भी जुड़े रहते हैं। सूची का अवलोकन करने से पता चलता है कि इनमें से कोई सरपंच है तो कोई पार्षद या कोई छुटभैया नेता। पुलिस की दलाली से जहां ये लोग लूट कमाई करते हैं वहीं पुलिस की धौंसपट्टी के बल पर अपने-अपने क्षेत्र में, कुछ हद तक जनता को भी अपने साथ बांध कर रखते हैं।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को बुके भेंट करता सतबीर कसाना, आगामी विधानसभा चुनाव में राजस्थान की नगर सीट से टिकट के जुगाड़ में

सचिन कुशवाहा उर्फ ठाकुर
भाजपा युवा मोर्चा का नेता

दरअसल सूची में दिये गये दलाल तो बहुत छोटी श्रेणी में आते हैं। यहां तो पूरा देश ही दलाली पर चल रहा है। चुनाव लड़ने के लिये टिकट लेना है तो दलाल चाहिये, जीत गये तो मंत्री बनने के लिये फ़िर दलाल चाहिये। इसी तरह नौकरी पाने के लिये और नौकरी मिलने के बाद मलाईदार तैनाती पाने के लिये फिर दलाल चाहिये, यानी कि हर स्तर पर दलाल जरूरी हो गया है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी इस सूची का उद्देश्य क्या है, समझ से बाहर है। क्या सरकार ने मान लिया है कि घोषित दलाल पुलिस महकमे के अभिन्न अंग हो चुके हैं और इस बाबत किसी को न पता हो तो उन्हें अवगत कराया जा रहा है, जिस किसी को भी इनकी 'सेवाओं' की आवश्यकता हो तो दिये गये फोन नम्बरों पर इनसे सम्पर्क कर सकता है? यदि ऐसा नहीं है तो इसे प्रकाशित करने की अपेक्षा उन पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिये थी जिन्होंने इन दलालों को पाल रखा है।

विदित है कि दलाल सरकारी सेवा में न होने के चलते, तमाम सेवा शर्तों से मुक्त हैं। इन पर दलाली करने का कोई आरोप सिरे नहीं चढ़ सकता। हां, दलाल केवल तभी फंस सकता है जब रिश्वत लेने वाला अधिकारी भी लपेटे में आया हो।

इस बाबत पुलिस उपायुक्त का पक्ष जानने के लिए उन्हें फोन लगाया गया तो उनके रीडर योगेश ने बताया कि साहब तो सीएम साहब की अगवानी करने गये हुए हैं।

संबंधित सूची पेज दो पर